<u>लोक सभा</u>

अतारांकित प्रश्न संख्या 17

03 फरवरी, 2020 को उत्तर के लिए

इस्पात उद्योगों पर ऋण

17. श्रीमती शारदा अनिल पटेलः

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या देश के इस्पात उद्योग अत्यधिक ऋणग्रस्त हैं;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या कच्चे माल की लागत में वृद्धि विद्युत और वैश्विक प्रतिस्पर्धा के कारण इस्पात के उत्पादन और मांग में कमी आई है; और

(घ) यदि हाँ, तो इन समस्याओं के समाधान हेतु सरकार द्वारा क्या कदम उठाए जा रहे हैं?

<u>उत्तर</u>

इस्पात मंत्री (श्री धर्मेंद्र प्रधान)

(क) और (ख): जी नहीं। इस्पात दीर्घकालिक उत्पादन पूर्व तैयारी अवधि के साथ एक पूँजी प्रधान उद्योग है। इस्पात कंपनियों को क्षमता विस्तारण और प्रौद्योगिकी उन्नयन जैसे क्रियाकलापों के लिए पूँजी की आवश्यकता होती है। विद्युत तथा इस्पात जैसे पूँजी प्रधान और दीर्घकालिक उत्पादन पूर्व तैयारी अवधि वाले क्षेत्रों के लिए आदर्श ऋण-इक्विटी अनुपात 2:1 है। वर्तमान में भारतीय इस्पात क्षेत्र में ऋण-इक्विटी अनुपात 2:1 से कम है।

(ग) और (घ): जी नहीं।

****